प्र मा ण प त्र

मैं संस्तुति करता हूँ
कि इस लघु-शोध प्रबंध
को परीक्षा हेतु
अग्रेषित किया जाए ।

२०,अक्तूबर, १९९५

अध्यक्ष,
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर

प्रतिज्ञापत्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि, डॉ. सुनीलकुमार लवटेजी के निर्देशन में, 'हिन्दी की विद्रोह कहानियों का अध्ययन' ('विद्रोह की कहानियाँ' - सं. गिरिराजशरण के विशेष संदर्भ में) लघुशोध-प्रबंध मैंने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्. फिल्. उपाधि के हेतु लिखा है । जो तथ्य प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं और वे सर्वथा मेरे अध्ययन, अनुसंधान एवं चिन्तन की उपज हैं । यह लघुशोध-प्रबंध पूर्णतः मेरी अध्यवसायिता की उपज है ।

(दिलीप पाटील)

शोध-छात्र

कोल्हापुर

दिनांक : 20 /10/१९९५

प्र मा ण प त्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि, श्री दिलीप जनार्दन पाटील ने मेरे निर्देशन में 'हिन्दी विद्रोह मूलक कहानियों का अध्ययन' ('विद्रोह की कहानियाँ' - सं. गिरिराजशरण के विशेष संदर्भ में) लघु-शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्.फिल्. उपाधि के हेतु लिखा है। जो तथ्य प्रबंध में प्रस्तुत किए गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। संपूर्ण लघुशोध-प्रबंधको आद्योपांत पढ़कर ही मैं यहप्रमाण-पत्र दे रहा हूँ।

सुनीलकुमार लवटे

(डॉ. सुनीलकुमार लवटे)

शोध-निर्देशक

कोल्हापुर

दिनांक : २० / ३ / १९९५

.....